Rajasthan Public Service Commission - 2016

Ques: 150
Time: 3 Hours

Paper : Hindi-Litreture-I

अपभ्रंश की उत्तर कालीन अवस्था का नाम है -

1) संस्कृत
2) प्राकृत
3) पालि
4) अवहट्ठ

सिन्धी भाषा का जन्म किस अपभ्रंश से हुआ ?

1) शौरसेनी अपभ्रंश से
2) मागधी अपभ्रंश से
3) अर्द्ध मागधी अपभ्रंश से
4) ब्राचड़ अपभ्रंश से

चन्द्रधर शर्मा "गुलेरी" ने साहित्यिक अपभ्रंश को किस नाम से पुकारा है -

1) अवहट्ठ
2) पुरानी हिंदी
3) अपभ्रष्ट
4) देसी भाषा

निम्नलिखित में से कौन सी रचना अपभ्रंश भाषा की नहीं है -

1) पउम चरिउ
2) पाहुड़ दोहा
3) भविसयत्त कहा
4) चित्रावली

संविधान के किस अनुच्छेद में संघ की राजभाषा के रूप में हिंदी और देवनागरी लिपि को मान्यता दी गई -

1) 373
2) 347
3) 343
4) 350

निम्नलिखित में से मानक हिंदी का आदर्श एवं मानक क्षेत्र है -

1) हरियाणा
2) मेरठ
3) दिल्ली
4) हिमाचल प्रदेश

निम्नलिखित में से कौन अवधी भाषा का कवि नहीं है -

1) जायसी
2) कुतुबन
3) उसमान

4) नन्ददास

डॉ. ग्रियर्सन ने किस भाषा को अन्तर्वेदी का नाम दिया है -

1) राजस्थानी
2) ब्रजभाषा
3) अवधी
4) छत्तीसगढ़ी

हिन्दी और उर्दू के बीच की सरल भाषा कहलाती है -

1) हिन्दुस्तानी
2) हिन्दुई
3) रेख़्ता
4) दक्खिनी

दक्षिणी राजस्थानी की प्रतिनिधि बोली है -

1) मारवाड़ी
2) मेवाती
3) मालवी
4) हाड़ौती

निम्नलिखित में से पश्चिमी हिन्दी की बोली कौन सी नहीं है -

1) खड़ी बोली
2) ब्रजभाषा
3) कन्नौजी
4) बघेली

अपभ्रंश एवं ब्रजभाषा के योग से कौन सी भाषा बनती है ?

1) पिंगल
2) डिंगल
3) अवधी
4) अवहट्ठ

निम्न में से कौन सा हाड़ौती बोली का क्षेत्र नहीं है -

1) कोटा
2) बूंदी
3) धौलपुर
4) झालावाड़

कौरवी का सम्बन्ध किस उपभाषा से है -

1) पश्चिमी हिन्दी
2) पूर्वी हिन्दी
3) राजस्थानी
4) बिहारी

देवनागरी लिपि का विकास किस प्राचीन लिपि से हुआ ?

1) कीलाक्षर

2) खरोष्ठी

3) कुटिल

4) रोमन

"उच्छिष्ट" शब्द का सही संधि-विच्छेद होगा -

1) उत् + शिष्ट

2) उत + चिष्ट

3) उद् + चिष्ट

4) उद + शिष्ट

निम्नलिखित में व्यंजन संधि का उदाहरण नहीं है -

1) वाङ्मय

2) उच्छृंखल

3) सृष्टि

4) पुरस्कार

निम्नलिखित में कौन सा पद बहुब्रीहि समास का उदाहरण है -

1) मुरारि

2) नीलगगन

3) आजन्म

4) त्रिभुवन

कौन सा शब्द "अभि" उपसर्ग से निर्मित नहीं है ?

1) अभिशाप

2) अभिभाषण

3) अभिमान

4) अभिन्नता

निम्नलिखित शब्दों में प्रत्यय रहित शब्द है -

1) सैंधव

2) यादव

3) किताब

4) दैत्य

निम्न में से संयुक्त वाक्य का चयन कीजिये -

1) जो मनुष्य विद्वान होता है , उसका सभी सम्मान करते हैं |

2) जो परिश्रम करता है , वही आगे बढ़ता है |

3) मैं कश्मीर गया था और वहाँ से फल ले आया |

4) सेठ जानता है कि नौकर ईमानदार है |

वर्तनी की दृष्टि से कौन सा शब्द शुद्ध है ?

1) अन्ताक्षरि

2) सौन्दर्यता

3) आशिर्वाद

4) संन्यास

निम्नलिखित में से कौन - सा शब्द अशुद्ध है ?

1) पूज्यनीय

2) व्यावहारिक

3) उपर्युक्त

4) मिष्टान्न

निम्नलिखित में से कौन सा शब्द शुद्ध है ?

1) लघूत्तर

2) अनुगृहित

3) लब्धप्रतिष्ठित

4) अभिष्ट

"रमणीयार्थप्रतिपादक: शब्द: काव्यम्" उक्ति किस आचार्य की है -

1) विश्वनाथ

2) मम्मट

3) भामह

4) पंडितराज जगन्नाथ

आचार्य दण्डी ने काव्य-हेतु किसे माना है -

1) निपुणता

2) प्रतिभा

3) जीवनेच्छा

4) प्रतिभा , शास्त्र ज्ञान , अभ्यास

कौन से आचार्य ने चतुर्वर्ग की प्राप्ति को काव्य का प्रयोजन माना है ?

1) भामह

2) वामन

3) आनन्दवर्धन

4) कुन्तक

जिस काव्य में केवल किसी एक घटना या अनुभूति का सरस वर्णन होता है , वह कहलाता है -

1) गद्यगीत

2) महाकाव्य

3) खण्डकाव्य

4) गीति नाट्य

भारतीय काव्यशास्त्र का प्राचीनतम ग्रन्थ है -

1) नाट्यशास्त्र

2) काव्यालंकार

3) ध्वन्यालोक

4) काव्यादर्श

"काव्य आत्मा की संकल्पात्मक अनुभूति है जिसका सम्बन्ध विश्लेषण , विकल्प या विज्ञान से नहीं है | वह एक श्रेयमयी प्रेय रचनात्मक ज्ञानधारा है |" यह कथन किसका है -

1) महादेवी वर्मा

2) जयशंकर प्रसाद

3) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

4) डॉ. नगेन्द्र

"काव्यशोभाकरान् धर्मान् अलंकारान् - प्रचक्षते | " उक्त कथन किसका है ?

1) भामह

2) मम्मट

3) दण्डी

4) वामन

"ध्वन्यालोक" ग्रन्थ के रचयिता हैं -

1) वामन

2) आनन्दवर्धन

3) भामह

4) पंडितराज जगन्नाथ

"रसगंगाधर" ग्रन्थ के रचयिता हैं -

1) विश्वनाथ

2) भरतमुनि

3) मम्मट

4) पंडितराज जगन्नाथ

निम्न में से कौन सा वक्रोक्ति का भेद नहीं है -

1) वर्ण विन्यास वक्रता

2) पद पूर्वार्द्ध वक्रता

3) प्रबंध वक्रता

4) शब्द वक्रता

किस आचार्य ने शब्दालंकारों को अधम काव्य, अर्थालंकारों को मध्यम काव्य तथा गुणीभूत व्यंग्य और ध्वनि को क्रमश: उत्तम और उत्तमोत्त्तम कहा है ?

1) मम्मट

2) विश्वनाथ

3) भामह

4) आनन्दवर्धन

निम्नलिखित में से डॉ. नगेन्द्र का ग्रन्थ कौनसा है ?

1) रस मीमांसा

2) रस सिद्धांत

3) रसज्ञ रंजन

4) साहित्य दर्पण

ध्वनि के त्रिविध प्रकार निम्न में से कौनसे हैं ?

1) वस्तु , अलंकार और रस

2) भाव , कल्पना और अलंकार

3) अलंकार , रस और कल्पना

4) बुद्धि , भाव और अलंकार

अभिनवगुप्त का रसनिष्पत्ति विषयक मत कहलाता है -

1) अनुमितिवाद

2) अभिव्यक्तिवाद

3) उत्पत्तिवाद

4) भुक्तिवाद

आश्रय की वे सूक्ष्म मानसिक क्रियायें , जो स्वयं उत्पन्न होती हैं , चाहने पर भी रोकी नहीं जा सकती , कहलाती हैं -

1) कायिक अनुभाव

2) सात्त्विक अनुभाव

3) वाचिक अनुभाव

4) आहार्य अनुभाव

"भावकत्वं साधारणीकरणं" की उक्त परिभाषा किसकी है -

1) आचार्य शंकुक

2) भट्ट नायक

3) अभिनवगुप्त

4) भट्ट लोल्लट

"चित्र-तुरंग-न्याय" की अवधारणा का उपयोग किस आचार्य ने रसनिष्पत्ति की व्याख्या में किया है ?

1) भट्ट नायक

2) भरतमुनि

3) शंकुक

4) भट्ट लोल्लट

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के अनुसार साधारणीकरण किसका होता है ?

1) कवि की अनुभूति का

2) सहृदय सामाजिक के चित्त्त का

3) आलम्बन धर्म का

4) विभावादि का

"हिमाद्रि तुंग श्रृंग से प्रबुद्ध शुद्ध भारती , स्वयं प्रभा समुज्ज्वला स्वतंत्रता पुकारती | " उपर्युक्त पंक्तियों में कौनसा रस है ?

1) भयानक रस
2) वीर रस
3) अद्भुत रस
4) वीमत्स रस

आश्रय की वे चेष्टाएँ , जिनसे उसके हृदयगत भावों की सूचना प्राप्त हो , क्या कहलाती हैं ?

1) विभाव
2) अनुभाव
3) संचारी भाव
4) स्थायी भाव

"तू दयालु दीन हौं तू दानि , हौं भिखारी | हौं प्रसिद्ध पातकी , तू पाप - पुंज हारी II " उपर्युक्त पंक्तियों में कौनसा रस है ?

1) अद्भुत रस
2) शांत रस
3) भक्ति रस
4) करुण रस

"सौन्दर्यमलंकार:" उक्ति किस आचार्य की है ?

1) भामह
2) वामन
3) मम्मट
4) रुय्यक

रुय्यक किस ग्रन्थ के रचयिता हैं ?

1) काव्यालंकार
2) अलंकार सर्वस्व
3) कुवलयानंद
4) काव्यादर्श

निम्नलिखित में से उपमा अलंकार किस पंक्ति में है ?

1) तट तमाल तरुवर बहु छाये |
2) मानहुं मदन दुंदभी दीन्ही |
3) हे उत्तरा के धन रहो , तुम उत्तरा के पास ही |
4) हँसने लगे तब हरि अहा ! पूर्णेन्दु - सा मुख खिल गया |

"अँसुवन जल सींचि - सींचि प्रेम - बेलि बोई | अब तो बेलि फैल गई , आणद फल होई ||" इन पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार है -

1) उपमा
2) उत्प्रेक्षा
3) रूपक

4) अन्योक्ति

जहाँ प्रशंसा के बहाने निन्दा की जाय अथवा निन्दा के बहाने प्रशंसा की जाय , वहां कौन सा अलंकार होता है ?

1) प्रतीप
2) अर्थान्तरन्यास
3) असंगति
4) ब्याज स्तुति

किस अलंकार में वाच्यार्थ गौण और व्यंग्यार्थ प्रधान होता है ?

1) वक्रोक्ति
2) समासोक्ति
3) अन्योक्ति
4) अतिशयोक्ति

"नीकि पै फीकी लगे , बिन अवसर की बात | जैसे बरनत जुद्ध में , नहिं सिंगार सुहात || उक्त पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार है -

1) अन्योक्ति
2) दृष्टांत
3) उदाहरण
4) उपमा

निम्न में से विभावना अलंकार किस पंक्ति में है ?

1) "तंत्री-नाद , कवित्त - रस , सरस - राग , रति - रंग | अन - बूड़े बूड़े , तरे जे , बूड़ेसब अंग ||"
2) "मुनि तापस जिन तें दुख लहहीं | ते नरेस बिनु पावक दहहीं ||"
3) "अवधेस के बालक चारि सदा | तुलसी मन - मंदिर में बिहरैं ||"
4) "नर की अरु नल - नीर की , गति एकै करि जोइ | जेतौ नीचो ह्वै चले , तेतौ ऊंचौ होइ ||"

" कंकन किंकिन नूपुर धुनि सुनि | कहत लषन सन राम ह्रदय गुनि || " उक्त पंक्तियों में प्रयुक्त छंद का नाम बताइये -

1) रोला
2) दोहा
3) चौपाई
4) सोरठा

किस छंद के प्रत्येक चरण में 24 मात्राएँ और ग्यारह और तेरह मात्राओं पर यति होती है ?

1) रोला
2) हरिगीतिका
3) गीतिका
4) छप्पय

" या लकुटी अरु कामरिया पर राज तिहूँ पुर को तजि डारौं | आठहुँ सिद्धि नवों निधि को सुख नन्द की गाय चराय

बिसारौं || इन पंक्तियों में कौन-सा छन्द है -

1) दोहा

2) सोरठा

3) कवित्त

4) सवैया

इकत्तीस या इससे अधिक वर्णों के चरण वाला छंद कहलाता है -

1) मंदाक्रांता

2) बसंततिलका

3) कवित्त

4) सवैया

"इस तन का दीवा करौं , बाती मेलौं जीव | लोही सींचों तेल ज्यौं , तब मुख देखौं पीव ||" प्रस्तुत उदाहरण किस छन्द का है -

1) चौपाई

2) रोला

3) दोहा

4) गीतिका

"चिरजीवौ जोरी जुरे , क्यों न सनेह गम्मीर | को घटि ये वृषभानुजा , वे हलधर के वीर ||" इन पंक्तियों में व्यंजना का कौनसा भेद मिलता है ?

1) शाब्दी व्यंजना

2) आर्थी व्यंजना

3) रस व्यंजना

4) वस्तु व्यंजना

कविता और छन्द में घनिष्ठ सम्बन्ध है | कविता हमारे प्राणों का संगीत है ; छन्द हृदय कम्पन ; कविता का स्वभाव ही छन्द में लयमान होता है |" उक्त कथन किसका है ?

1) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

2) डॉ. नगेन्द्र

3) महादेवी वर्मा

4) सुमित्रानंदन पंत

"छन्दशास्त्र" ग्रन्थ के रचयिता हैं -

1) क्षेमेंद्र

2) वेद व्यास

3) पिंगल

4) वाल्मीकि

भारतीय काव्यशास्त्र में "अनुकरण" शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग मिलता है -

1) रामायण में

2) नाट्यशास्त्र में

3) अष्टाध्यायी में

4) साहित्यदर्पण में

गुरु - शिष्य परम्परा का सही अनुक्रम छांटिये -
1) प्लेटो - अरस्तू - सिकन्दर
2) सिकन्दर - प्लेटो - अरस्तू
3) प्लेटो - सिकन्दर - अरस्तू
4) अरस्तू - प्लेटो - सिकन्दर

निम्न में से कौन सी प्लेटो की रचना नहीं है -
1) पेरिपोइतिकेस
2) इओन
3) रिपब्लिक
4) पोलितेइया

अरस्तू का काव्यालोचन ग्रन्थ कौन सा है ?
1) पेरिपोइतिकेस
2) पेरिइप्सुस
3) प्रोलितेरियन
4) बायोग्राफिया लिटरेरिया

"ट्रैजेडी का लेखक हमारे विवेक को नष्ट कर हमारी वासनाओं को जाग्रत करता है , उनका पोषण करता है | अत: काव्य का सत्य वास्तविक सत्य नहीं होता |" यह कथन है -
1) अरस्तू
2) कॉलरिज
3) प्लेटो
4) लोंजाइनस

अरस्तू के "अनुकरण" सिद्धांत में "अनुकरण" का आशय है -
1) प्रकृति की नकल
2) पुन: सर्जन
3) नकल
4) वस्तुपरक अंकन

"काव्य को प्रकृति की अनुकृति" किसने माना है ?
1) अरस्तू
2) प्लेटो
3) इलियट
4) वर्ड्सवर्थ

"चित्रकार अथवा किसी अन्य कलाकार की ही तरह कवि भी अनुकर्ता है" - कथन है -
1) रिचर्ड्स
2) प्लेटो

3) अरस्तू
4) इलियट

निम्नलिखित दार्शनिकों के विचारों में से कौनसा विचार असंगत है -
1) प्लेटो - बौद्धिक आनन्द को स्वीकार किया है , ऐन्द्रिक को नहीं |
2) अरस्तू - प्राकृतिक पदार्थ परमात्मा द्वारा उद्भूत हैं |
3) क्रोंचे - कविता सौन्दर्य के माध्यम से तात्कालिक आनन्दोद्रेक के लिए भावों को उद्वेलित करती है |
4) लोंजाइनस - साहित्य का सम्बन्ध तर्क से नहीं , कल्पना द्वारा पाठक को अभिभूत करता है |

अरस्तू के अनुकरण सिद्धांत में किसकी उपेक्षा मिलती है ?
1) कल्पना की
2) कवि की अन्तश्चेतना की
3) कवि कर्म की
4) कवि-कौशल की

आई.ए. रिचर्ड्स की पुस्तक "प्रेक्टिकल क्रिटिसिज्म" में अर्थ का कौन सा प्रकार नहीं है ?
1) वाच्यार्थ
2) भाव
3) अभिप्राय
4) कला

टी.एस. इलियट ने अवैयक्तिक काव्य सिद्धांत का प्रतिपादन अपने कौन से निबंध में किया है ?
1) ट्रेडिशन एंड इंडिविजुअल टैलेंट
2) द सेक्रड वुड
3) एब्सट्रेक्ट क्रिटिसिज्म
4) द परफेक्ट क्रिटिक

टी.एस. इलियट ने काव्य में कवि -व्यक्तित्व के स्थान पर स्थापित किया है -
1) परम्परा और इतिहास बोध को
2) कल्पना को
3) अलंकार युक्त बिम्बों को
4) प्रौढ़ भाषा को

वर्ड्सवर्थ ने काव्य का प्रतिपाद्य माना है -
1) जन साधारण का जनजीवन और प्रकृति को
2) पौराणिक कथा और ज्ञान को
3) नायक के चरित्र निर्माण को
4) ऐतिहासिक आख्यान को

"कल्पना मानव - मस्तिष्क की बिम्ब - विधायिनी शक्ति है |" यह कथन किसका है -
1) क्रोचे
2) इलियट
3) वर्ड्सवर्थ

4) कॉलरिज

क्रोचे के अभिव्यंजना के चार स्तरों में से कौन सा स्तर असंगत है ?

1) विचार
2) अन्त:संस्कार
3) अभिव्यंजना
4) आनुषंगिक आनन्द

लोंजाइनस के अनुसार इनमें से कौनसा शैलीगत दोष नहीं है -

1) वालेयता
2) वागाडम्बर
3) भावाडम्बर
4) विपर्यय

मार्क्सवादी चिन्तन की परम्परा में कौनसा समीक्षक नहीं है ?

1) लेनिन
2) गोर्की
3) कॉडवेल
4) लोरेन्स

संरचनावाद का जनक माना जाता है -

1) प्लेटो
2) सास्यूर
3) अरस्तू
4) लेवीस्ट्रास

निम्नलिखित में से कौन मार्क्सवादी आलोचक है -

1) डॉ. नगेन्द्र
2) डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
3) डॉ. रामविलास शर्मा
4) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

शैलीवैज्ञानिक आलोचना पद्धति कथ्य के बजाय किस पक्ष पर बल देती है ?

1) अलंकारिता पर
2) भाव या रस पर
3) छन्दयोजना पर
4) रूप या शिल्प पर

देरिदा लेखन को किसका स्रोत मानते हैं ?

1) दर्शन का
2) ज्ञान का
3) भावों का
4)

तमाम सांस्कृतिक कर्म का

निम्न में से कौन उत्तर आधुनिकतावादी चिन्तक नहीं है -

1) एफ.आर. लीविस

2) फ़्रांसुआ ल्योतार

3) बौद्रिआ

4) फ्रेडरिक जेमेसन

"उत्तर आधुनिकता" की संकल्पना हिन्दी की किस कहानी में मिलती है ?

1) उदय प्रकाश की कहानी - "वारेन हेस्टिंग का सांड'

2) जयशंकर प्रसाद की कहानी - "ममता"

3) प्रेमचन्द्र की कहानी - "कफ़न"

4) जैनेन्द्र की कहानी - "एक गौ"

"पृथ्वीराज रासो" को प्रामाणिक रचना मानने वाले विद्वान हैं -

1) डॉ. गौरीशंकर हीराचन्द ओझा

2) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

3) कविराज श्यामलदास

4) मोहनलाल विष्णुलाल पंड्या

"मनहुं कला ससभांन , कला सोलह सोबन्निय |" इस पंक्ति में रस है -

1) वीर

2) शृंगार

3) भयानक

4) करुण

"पृथ्वीराज रासो" में कितने समय हैं -

1) 59

2) 69

3) 79

4) 89

कबीर को "वाणी का डिक्टेटर" किसने कहा है ?

1) महावीर प्रसाद द्विवेदी

2) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

3) हजारी प्रसाद द्विवेदी

4) डॉ. नगेन्द्र

कबीर का हठयोग किस साहित्य से प्रभावित है -

1) सिद्ध एवं नाथ साहित्य

2) जैन साहित्य

3) सूफी काव्य

4) अपभ्रंश साहित्य

"बिरह - भुवंगम तन बसै , मन्त्र न लागै कोइ | राम बियोगी ना जीवै , जिवै तो बौरा होइ ||" कबीर के इस पद में कौन सा अलंकार है ?

1) उपमा
2) उत्प्रेक्षा
3) विभावना
4) रूपक

"कस्तूरी कुंडलि बसै , मृग ढूँढै बन माँहि |ऐसै घटि - घटि राम हैं , दुनियाँ देखैं नाँहि ||" प्रस्तुत पद में है -

1) भावात्मक रहस्यवाद
2) शुद्धाद्वैतवाद
3) अद्वैतवाद
4) इनमें में से कोई नहीं

मीरांबाई की उपासना किस भाव की थी ?

1) सख्य भाव
2) दास्य भाव
3) वात्सल्य भाव
4) माधुर्य भाव

"जहाँ बैठावे तित ही बैठूँ , बेचै तो बिक जाऊँ |" इस पंक्ति में मीरां का व्यक्त भाव है -

1) उत्साह
2) हर्ष
3) समर्पण
4) क्षोभ

"मैं तो गिरधर के घर जाऊँ , गिरधर म्हारो सांचो प्रीतम , देखत रूप लुभाऊं |" इस पद में कौनसा काव्य गुण है ?

1) माधुर्य
2) ओज
3) प्रसाद
4) इनमें में से कोई नहीं

"भ्रमरगीत" प्रसंग का प्रतिपाद्य है -

1) वात्सल्य रस का चित्रण
2) गोपियों का विरह वर्णन
3) सगुण भक्ति की महिमा व निर्गुण का खण्डन
4) कृष्ण की भक्ति

"भ्रमरगीत सूरसागर के भीतर का एक सार रत्न है |" यह कथन किसका है ?

1) आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
2) आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
3) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
4) डॉ. नगेन्द्र

"सुफलक सुत" का अर्थ है -

1) उद्धव

2) कृष्ण

3) अक्रूर

4) नन्द

"काहे को गोपीनाथ कहावत ?" इस पंक्ति में व्यक्त भाव है -

1) क्षोभ

2) उत्सुकता

3) समर्पण

4) उपालम्भ

"हंस जो रहा सरीर महँ , पाँख जरा , गा भागि |" इस पंक्ति में "हंस" का अर्थ है -

1) बुद्धि

2) हंस

3) पक्षी

4) जीव

निम्नांकित कवियों एवं उनके समक्ष अंकित पंक्तियों में से कौन सा युग्म असंगत है ?

1) जायसी - "चढ़ा असाढ़ , गगन घन गाजा |"

2) सूरदास - "भज मन ! चरण - कँवल अविनासी |"

3) कबीर - "अंषड़ियाँ झाईं पड़ी , पंथ निहारि - निहारि |"

4) बिहारी - "अजौं तरयौना ही रह्यो , श्रुति सेवत इक - रंग |"

"पिउ - बियोग अस बाउर जीऊ" पंक्ति में "बाउर" शब्द का अर्थ है -

1) विधवा

2) ग्रामीण स्त्री

3) पगली

4) रुग्ण स्त्री

"जो पै चेराई राम की करतो न लजातो |" पंक्ति में "चेराई" शब्द का अर्थ है -

1) सेवा

2) चापलूसी

3) मोह

4) प्रेम

"भक्ति - रस का पूर्ण परिपाक जैसा 'विनयपत्रिका' में देखा जाता है , वैसा अन्यत्र नहीं |" यह कथन है -

1) आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी

2) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

3) डॉ. नगेन्द्र

4) वियोगीहरि

निम्नलिखित में से कौन सी रचना तुलसीदास की नहीं है -

1) बरवै रामायण
2) वैराग्य संदीपनी
3) दोहावली
4) चित्रावली

निम्नांकित में से कौन रीति सिद्ध काव्यधारा का कवि है -

1) केशव
2) चिन्तामणि
3) बिहारी
4) घनानंद

"नीकी दई अनाकनी , फीकी परी गुहारि | तज्यौ मनौ तारन - बिरदु , बारक बारनु तारि ||" बिहारी के इस दोहे में व्यक्त भाव है -

1) शृंगार
2) नीति
3) भक्ति
4) प्रकृति-चित्रण

"तो पर वारौं उरबसी , सुनि राधिके सुजान | तू मोहन के उरबसी , है उरबसी - समान ||" प्रस्तुत दोहे में अलंकार है -

1) श्लेष
2) रूपक
3) यमक
4) उपमा

"लोग हैं लागि कवित्त बनावत , मोहिं तौ मोर कवित्त कबित्त बनावत ||" यह पंक्ति किसकी है -

1) बोधा
2) द्विजदेव
3) ठाकुर
4) घनानन्द

"वहै मुसक्यानि , वहै मृदु बतरानि , वहै लड़कीली बानि आनि उर में अरति हैं |" इन पंक्तियों में वियोग की कौन सी दशा है ?

1) चिंता
2) स्मृति
3) प्रलाप
4) उन्माद

निम्नलिखित में से कौन सी रचना घनानन्द की नहीं है ?

1) इश्कलता
2) सुजान हित
3) वियोग - बेलि

4) रस विलास

"चंचल किशोर सुन्दरता की , मैं करती रहती रखवाली | मैं वह हलकी - सी मसलन हूँ , जो बनती कानों की लाली ||" उपर्युक्त काव्यांश में किसका वर्णन किया गया है ?

1) श्रद्धा का
2) चिन्ता का
3) लज्जा का
4) आशा का

"ओ जीवन की मरु - मरीचिका , कायरता के अलस विषाद |" काव्यांश में किस भाव का उद्बोधन हुआ है -

1) चिन्ता
2) लज्जा
3) आनन्द
4) आशा

उज्ज्वल वरदान चेतना का , सौन्दर्य जिसे सब कहते हैं जिसमे अनन्त अभिलाषा के सपने सब जगते रहते हैं |" प्रस्तुत पंक्तियां "कामायनी" के किस सर्ग से उद्धृत हैं ?

1) श्रद्धा सर्ग
2) लज्जा सर्ग
3) चिन्ता सर्ग
4) आशा सर्ग

"कामायनी" में "श्रद्धा" सर्ग क्रमानुसार किस क्रम पर है -

1) प्रथम
2) द्वितीय
3) तृतीय
4) चतुर्थ

"कामायनी" का प्रकाशन वर्ष है -

1) 1935
2) 1936
3) 1938
4) 1918

"वह एक और मनु रहा राम का , जो न थका , जो नहीं जानता दैन्य , नहीं जानता विनय |" काव्यांश में राम की किस विशेषता की ओर संकेत किया गया है -

1) दृढ़ निश्चय
2) समर्पण
3) राम की कर्मशीलता
4) निरन्तरता

"राम की शक्ति पूजा" कविता की प्रारंभिक पंक्ति है -

1) "प्रशमित है वातावरण निमित मुखासंध कमल |"
2) "रघुनायक आगे अवनी पर नवनीत चरण |"

3) "उतरा ज्यों दुर्गम पर्वत पर नैशान्धकार |"
4) "रवि हुआ अस्त ; ज्योति के पत्र पर लिखा अमर |"

"धिक जीवन को , जो पाता ही आया विरोध" राम का यह कथन किसके जीवन की त्रासदी है -
1) राम के
2) भरत के
3) निराला के
4) विभीषण के

"गोदान" का गोबर किस वर्ग का प्रतिनिधित्व करता है ?
1) सामंतशाही को चुपचाप सहन करने वाले वर्ग का
2) रूढ़ि विरोधी नई पीढ़ी के किसान - युवक का
3) रूढ़िवादी परम्परा को मानने वाले वर्ग का
4) समाज सेवा करने वाले वर्ग का

"गोदान" का कौनसा पात्र प्रेमचन्द के प्रगतिशील विचारों का वाहक माना जाता है ?
1) होरी
2) मिस्टर खन्ना
3) प्रोफेसर मेहता
4) ओंकार नाथ

डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी द्वारा विरचित निम्नांकित कृतियों में से कौन सी कृति उपन्यास विधा से सम्बद्ध नहीं है ?
1) चारुचन्द्रलेख
2) बाणभट्ट की आत्मकथा
3) अनामदास का पोथा
4) कुटज

"बाणभट्ट की आत्मकथा" सर्वप्रथम किस पत्रिका में प्रकाशित हुई ?
1) विशाल भारत
2) हंस
3) रूपाभ
4) हिन्दी नवजीवन

"स्त्री की सफलता पुरुष को बाँधने में है , किन्तु सार्थकता पुरुष की मुक्ति में है |" "बाणभट्ट की आत्मकथा" में यह कथन किसका है ?
1) भट्टिनी
2) निपुणिका
3) महामाया भैरवी
4) सुचरिता

"बाणभट्ट की आत्मकथा" है - एक -
1) प्रेम कथा

2) संघर्ष कथा
3) मनोविज्ञान कथा
4) जीवन मूल्यों पर आधारित उदात्त प्रेम कथा

"आधे अधूरे" नाटक के मूल कथानक में है -
1) पारिवारिक विपन्नता
2) प्रेम सम्बन्ध
3) पारिवारिक विघटन , दाम्पत्य सम्बन्धों में कटुता व रिक्तता
4) सामाजिक जीवन में आक्रोश एवं हिंसा

"आधे अधूरे" नाटक में पुरुष - एक कौन हैं ?
1) महेन्द्रनाथ
2) जुनेजा
3) सिंघानिया
4) जगमोहन

निम्नलिखित में से मोहन राकेश का नाटक नहीं है ?
1) लहरों के राजहंस
2) आषाढ़ का एक दिन
3) आधे अधूरे
4) अंधायुग

शुक्लजी के अनुसार दु:ख के वर्ग में जो स्थान भय का है , वही स्थान आनन्द वर्ग में है -
1) उत्साह का
2) प्रेम का
3) साहस का
4) भक्ति का

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के अनुसार श्रद्धा के प्रकार हैं -
1) प्रतिभा , शील और साधन
2) प्रेम , दृढ़ता और साधन
3) सौन्दर्य , अनुभव और शील
4) प्रतिभा , प्रेम और साहस

निम्नलिखित में से किस कहानी का पात्र सुमेलित नहीं है -
1) उसने कहा था - लहना सिंह
2) कफ़न - बुधिया
3) रोज - मालती
4) परिन्दे - महेश्वर

"मृत्यु के कुछ समय पहले स्मृति बहुत साफ हो जाती है | जन्म भर की घटनाएं एक - एक करके सामने आती हैं | सारे दृश्यों के रंग साफ़ होते हैं | समय की धुंध बिल्कुल उन पर से हट जाती है |" उपर्युक्त गद्यांश किस कहानी से

उद्धृत है -

1) उसने कहा था
2) कफ़न
3) रोज़
4) ममता

अज्ञेय की "रोज़" कहानी किस अन्य नाम से जानी जाती है ?

1) पत्नी
2) शरणदाता
3) गैंग्रीन
4) कविप्रिया

"अगर दोनों साधु होते तो उन्हें सन्तोष और धैर्य के लिए संयम और नियम की बिल्कुल जरूरत न होती | यह तो इनकी प्रकृति थी , विचित्र जीवन था इनका !" उपर्युक्त कथन किस कहानी से उद्धृत है -

1) ममता
2) कफ़न
3) रोज़
4) परिन्दे

"परिन्दे" कहानी से नयी कहानी की शुरूआत मानने वाले समीक्षक हैं -

1) राजेन्द्र यादव
2) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
3) नामवर सिंह
4) डॉ. नगेन्द्र

"दूर से दबी-दबी सी सुनाई देने वाली गड़गड़ाहट पास जाने पर कर्णभेदी घोष में बदल गई | यहाँ का ताण्डव देखते ही बनता है | चट्टानों पर मानो हजारों मूसल बरस रहे हैं |" उपर्युक्त पंक्तियाँ किस कृति से उद्धृत हैं ?

1) अतीत के चलचित्र
2) लद्दाख की यात्रा
3) स्मृति की रेखाएँ
4) सौन्दर्य की नदी नर्मदा

"सौन्दर्य की नदी नर्मदा" यात्रा वृत्तान्त का अंतिम पड़ाव है -

1) मीठीतलाई से कोलीयाद
2) कबीरबड़ से विमलेश्वर
3) कोलीयाद से भरूच
4) केली से शूलपाणेश्वर

"विक्रम की सातवीं शताब्दी से ग्यारहवीं तक अपभ्रंश की प्रधानता रही और फिर वह पुरानी हिन्दी में परिणत हो गई |" यह कथन किस विद्वान का है ?

1) सुनीति कुमार चटर्जी
2) चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
3) ग्रियर्सन

4) धीरेन्द्र वर्मा

स्थापना (A) : देवनागरी लिपि में जैसा बोला जाता है , वैसा ही लिखा जाता है | तर्क (R) : क्योंकि इसमें प्रत्येक उच्चरित वर्ण (ध्वनि) के लिए निश्चित लिपि-चिह्न हैं और कोई भी वर्ण अनुच्चरित (silent) नहीं है |

1) A गलत , R सही
2) A और R दोनों सही
3) A सही , R गलत
4) A और R दोनों गलत

इनमें से कौनसा संधि - शब्द सही है ?

1) ग्रीष्म + ॠतु = ग्रीष्मर्तु
2) सत् + नारी = सद्नारी
3) एक + एक = एकेक
4) पितृ + उपदेश = पित्रोपदेश

किस विकल्प में "द्वंद्व" समास नहीं है ?

1) रातदिन
2) हानिलाभ
3) मातापिता
4) परमपिता

व्याकरण की दृष्टि से शुद्ध वर्तनी युक्त शब्द कौनसा है ?

1) केकई
2) केकयी
3) कैकेई
4) कैकेयी

मम्मट ने इनमें से किस तत्त्व को काव्य का प्रयोजन नहीं माना है ?

1) अमंगल का नाश
2) मित्रसम्मित उपदेश
3) यश-प्राप्ति
4) व्यावहारिक ज्ञान की प्राप्ति

इनमें "ध्वनि सिद्धांत" से संबंधित कौनसा कथन सही नहीं है ?

1) ध्वनि के दो भेद होते हैं - (1) लक्षणा मूला (2) व्यंजनामूला |
2) लक्षणामूला को "अविवक्षित वाच्य ध्वनि" भी कहते हैं |
3) लक्षणामूला ध्वनि के दो भेद माने गये हैं |
4) "अत्यंत तिरस्कृत वाच्यध्वनि" भी लक्षणामूला का ही एक भेद है |

"विनय पत्रिका" के बारे में कौनसा कथन सही नहीं है ?

1) इसमें कुल 270 पद हैं |
2) इसमें सर्व प्रथम गणेशजी की वंदना की गई है |

3) यह ब्रजभाषा में लिखी गई है |

4) इसकी गणना आत्मनिवेदनपरक गीति काव्य में की जाती है |

इनमें संत कबीर से सम्बंधित कौनसा कथन सही नहीं है ?

1) वे निर्गुण ब्रह्म के उपासक थे |

2) सत्संग और नाम - स्मरण पर वे बहुत बल देते थे |

3) वे माया को ईश्वर भक्ति में बाधक मानते थे |

4) विभिन्न तीर्थों के प्रति उनके मन में श्रद्धा थी |

"नागमती वियोग खण्ड" से संबंधित कौनसा कथन सही नहीं है ?

1) जायसी ने "बारहमासा के रूप में" नागमती के वियोग का मार्मिक चित्रण किया है |

2) यह वियोग प्रवासजन्य विरह के अंतर्गत आता है |

3) यह वियोग चैत्र मास से प्रारम्भ होता है |

4) इस खण्ड में पक्षियों के माध्यम से सन्देश भेजने का उल्लेख भी जायसी ने किया है |

"एक दिन सहसा सिन्धु अपार , लगा टकराने नगतल क्षुब्ध | अकेला यह जीवन निरुपाय , आज तक घूम रहा विश्रब्ध ||" कामायनी से उद्धृत इन पंक्तियों के लिए कौनसा कथन सही है ?

1) चिंता सर्ग , मनु का आत्म कथन

2) श्रद्धा सर्ग , मनु का आत्म परिचय

3) लज्जा सर्ग , श्रद्धा का कथन

4) श्रद्धा सर्ग , मनु को श्रद्धा का प्रत्युत्तर

"आराधन का दृढ़ आराधन से दो उत्तर |" "राम की शक्तिपूजा" में यह कथन किसका है ?

1) विभीषण का

2) हनुमान का

3) जाम्बवान का

4) लक्ष्मण का

"आधे अधूरे" नाटक के बारे में कौनसा कथन सही नहीं है ?

1) यह एक मध्यमवर्गीय परिवार से सम्बंधित नाटक है |

2) यह जीवन के बृहत्तर और महत्त्वपूर्ण आयाम से नहीं जुड़ पाता |

3) इसमें पति का नाम महेन्द्र और पत्नी का नाम सावित्री है |

4) परिवार में पति-पत्नी के अलावा दो लड़के और एक लड़की है |